परामर्श मंडल

प्रो. दीप्ति धर्माणी
विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
प्रो. दिलबाग सिंह
निदेशक, जनसम्पर्क
डॉ. मोहम्मद काशिफ किदवई
निदेशक, युवा कल्याण
डॉ. सुरेन्द्र कुमार कुण्डू
संयोजक, मुद्रण समिति

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा

कैम्पस टाइम्स

अंक: 2 नवम्बर, 2017 पृष्ठ-4

संपादक मंडल

डॉ. सेवा सिंह बाजवा
मुख्य संपादक
डॉ. अमित सांगवान
संपादक
डॉ. रविन्द्र ढिल्लों
सह-संपादक

राष्ट्र की पहचानः कला एवं संस्कृति

सिरसा (राममेहर आर्य)। कला, साहित्य एवं संस्कृति किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति और समृद्धि का परिचायक होती है। यह बात चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के युवा कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित साहित्यिक एवं ललित कला कार्यशाला के दौरान उभरकर सामने आई। संस्कार व्यक्ति के अन्दर की धरोहर हैं जो कि सभ्यता के तहत बाहर का आवरण आता है। राष्ट्र के विकास के लिए दोनों ही तत्व अनिवार्य हैं। फाईन आर्ट्स के माध्यम से संस्कृति व सभ्यता की अभिव्यक्ति सफलतापूर्वक की जा सकती है।

युवा महोत्सव के दौरान अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते प्रतिभागी। दूसरे चित्र में मुख्यातिथि एचपीसीयू के कुलपति प्रो. कुलदीप चन्द्र अग्निहोत्री को स्मृति चिन्ह भेंट करते सीडीएलयू के कुलपति प्रो. विजय कायत के साथ छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिलबाग सिंह और युवा कल्याण निदेशक डॉ. काशिफ किदवई।

इस कार्यशाला का उद्घाटन हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुलदीप चन्द्र अग्निहोत्री ने किया। बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए प्रो. कुलदीप ने कहा कि साहित्यकार भी ईश्वर के समान होता है। जिस प्रकार ईश्वर मानव की रचना करते हैं, उसी प्रकार साहित्यकार विभिन्न विधाओं एवं अपनी कल्पनाशिलता के आधार पर समाज में घट रही विभिन्न घटनाओं को चरितार्थ करता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन अभिव्यक्ति के अभाव की वजह से वे आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। शैक्षणिक संस्थानों को इस प्रकार की प्रतिभाओं को तराशना चाहिए। उन्होंने कहा कि अध्यापक का कार्य ही छीपी हुई प्रतिभाओं को तराशकर उन्हें आगे का रस्ता दिखाना होता। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली में भी अमूलचुल परिवर्तन करना समय की मांग है और हमें ऐसी शिक्षा प्रणाली पर जोर देना होगा जिससे विद्यार्थियों की तार्किक व जानने की क्षमता में वृद्धि हो सके। वर्तमान शैक्षणिक प्रणाली के तहत विद्यार्थियों में रटा लगाने की आदत बढ़ रही है और मौलिक विचारों व मौलिक सोच में निरंतर कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि मौलिक विचार मात्र भाषा में आते हैं और ये विचार 15 वर्ष से लेकर 30 वर्ष के आयु वर्ग में ही विकसित व संचित किये जा सकते हैं।

अधिगम एक निरंतर चलने वाली प्रक्रियाः प्रो. कायत

इसके उपरान्त इस कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कायत ने कहा कि अधिगम एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस प्रकार की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों के अन्दर संचार व अभिव्यक्ति के कौशल विकसित होते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सृजनशील बनाने में यह कार्यशाला मील का पत्थर साबित होगी। कुलपति ने मानव सभ्यता की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डालते हुए अनेक जीवंत उदाहरण दिये और प्रतिभागियों के ज्ञान में वृद्धि की।

इस अवसर पर हरियाणा सरकार के सूचना आयुक्त श्री भूपेन्द्र धर्माणी ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए अध्यापक रोल मॉडल होते हैं। अध्यापकों को संयमित व अनुशासन में रहकर विद्यार्थी हित को सर्वोपरि मानना चाहिए। मेहमानों का स्वागत छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिलबाग सिंह द्वारा व धन्यवाद युवा कल्याण निदेशक डा. कासिफ किदवई द्वारा किया गया। मंच का सफलतापूर्व संचालन प्रो. विष्णु भगवान द्वारा किया गया। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के पूर्वमंत्री प्रो. गणेशी लाल की भी गणमान्य उपस्थिति थी। इसके उपरान्त विद्यार्थियों को पोस्टर मेंकिंग व पेंटिंग, रंगोली, भाषण आदि के गुर विषय विशेषज्ञ द्वारा प्रतिभागियों को सिखाये गये।

सीडीएलयू ने की तीसरी बार मेजबानी

विद्यार्थियों को शैक्षणिक कार्यों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ भाग लेना चाहिए। ये कहना है सीडीएलयू की कल्चरल कोर्डिनेटर रणजीत कौर का। चौधरी देवीलाल विश्व-विद्यालय सिरसा को युवा कल्याण निदेशालय विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास के लिए समय-समय पर सांस्कृतिक गतिविधियों पर कार्यक्रमों का आयोजन करवाता रहता है। निदेशालय के द्वारा तीसरी बार युवा महोत्सव की मेजबानी करके यह दिखा गया है कि रिमोट क्षेत्र में स्थित इस विश्व-विद्यालय के विद्यार्थियों के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

भारतीय युवाओं का विश्वभर में डंका

सिरसा (पवन)। युवाओं को अपनी छुपी हुई प्रतिभा को पहचानकर अपनी रूचि अनुसार कैरियर का चयन करना चाहिए। आत्मसमर्पण व मेहनत के जज्बे के साथ जीवन में निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। भारतीय युवा शक्ति का विश्वभर में बोलबाला है। ये विचार चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के युवा कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित युवा महोत्सव के पारितोषिक वितरण समारोह में हरियाणा पर्यटन निगम के चेयरमेन जगदीश चौपड़ा ने बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत भी किया।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से युवाओं को तराशने का कार्य किया जा रहा है। भ्रष्टाचार को भी खत्म करने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। युवाओं को राष्ट्रीय निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। युवाओं को महापुरूषों द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलकर आगे बढ़ना चाहिए। आये हुए मेहमानों का धन्यवाद युवा कल्याण निदेशक डा. कासिफ किदवई द्वारा किया गया। मंच का सफलतापूर्वक संचालन डा. मंजु नेहरा व स्नेहा बांगड़ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुरेश गहलावत, प्रो. दीप्ति धर्माणी, प्रो. पंकज शर्मा, प्रो. विष्णु भगवान, प्रो. सुशील कुमार, डॉ. सुमन गुलाब, डॉ. विजय तौमर, डॉ. गुरचरण दास, डॉ. सुरेन्द्र कुण्डु, डॉ. शलेन्द्र हुड्डा, डॉ. कपिल, डा. ईश्वर मलिक, डॉ. मीना बालयान, डॉ. आरती गौड़, सतीश विज, सुरेन्द्र नुहिया, राकेश गोदारा, राजेश छिकारा आदि उपस्थित थे।

सफलता का मूल मंत्र सॉफ्ट स्किल्स

सॉफ्ट स्किल्स की ट्रेनिंग देकर विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए तैयार किया जा सकता है। स्किल्स के अभाव में साक्षात्कार के अंदर विद्यार्थी को सफलता नहीं मिल पाती। इसलिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ अभिव्यक्त करने की क्षमता भी विद्यार्थियों में विकसित की जानी चाहिए। कार्यशाला के दौरान सीआरएसयू जींद की प्रो. ज्योति श्योराण ने अपने व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों से रूबरू होते हुए उक्त विचार रखे। उन्होंने कहा कि संचार कौशल को अनुभव एवं प्रशिक्षण के माध्यम से अर्जित किया जा सकता है। विद्यार्थियों को अपनी बात को किसी के समक्ष रखने की क्षमता विकसित करनी चाहिए।

युवा महोत्सवः भौतिकवाद व अध्यात्म का मिश्रण

सिरसा (अनुपमा)। मनुष्य को छोड़कर प्रकृति द्वारा जो भी चीजें मनुष्य की सहूलियत के लिए बनाई जाती हैं, वो हमारी सभ्यता का हिस्सा बन जाती हैं। युवा महोत्सव भौतिकवाद एवं अध्यात्म दोनों का ही मिश्रण है। ये विचार हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री प्रो. गणेशी लाल ने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के युवा कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित साहित्यिक एवं ललित कला कार्यशाला के समापन एवं पारितोषिक वितरण समारोह के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भौतिकवाद के इस माहौल में मनुष्य ने मृत्यु पर भी विजय पा ली है, लेकिन आत्मिक शांति के लिए दर-दर घूमता है। इस प्रकार के महोत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है और उनकी ऊर्जा का उचित प्रयोग होता है। युवा महोत्सव भौतिकवाद से जुड़ा हुआ है और यह शरीर व आत्मा दोनों को अनुभव प्रदान करता है। इस प्रकार के महोत्सवों से एक नई ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने आयोजकों को बधाई दी और कहा कि विश्वविद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रम होते रहने चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने से प्रबंधकीय दक्षता विकसित होती है, जो कि ताउम्र विद्यार्थियों के काम आती है।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिलबाग सिंह ने आए हुए मेहमानों का धन्यवाद किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया।

एमएम कॉलेज फतेहाबाद रहा ओवर ऑल चैम्पियन

सिरसा (पूजा व बिमला)। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के युवा निदेशालय द्वारा आयोजित युवा महोत्सव के तीसरे दिन हरियाणवी नृत्य व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। इस महोत्सव की ऑवर ऑल ट्राफी एमएम कॉलेज फतेहाबाद को गई। इसी प्रकार म्यूजिक व डांस की रनिंग ट्राफी पर भी एमएम कॉलेज फतेहाबाद का कब्जा रहा।

थियेटर की रनिंग ट्राफी विश्वविद्यालय टीचिंग डिपार्टमेंट को गई। क्लासिकल वोकल सोलो में एमएम कॉलेज फतेहाबाद पहले स्थान पर व यूटीडी की टीम दूसरे स्थान पर रही। क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल इंडियन ग्रुप सांग, लाईट वॉकल गजल में भी एमएम कॉलेज फतेहाबाद की टीम की पहले स्थान पर रही। वेस्टर्न ग्रुप सांग, वेस्टर्न इंट्रुमेंटल

सोलो, कव्वाली व हरियाणवी पॉप में सीएमके महाविद्यालय की टीम पहले स्थान पर रही। क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल, हरियाणवी फॉक सांग, हरियाणवी फॉक इंस्ट्रुमेंटल व हरियाणवी समूह गायन में सीएमके महा-विद्यालय की टीम दूसरे स्थान पर रही। क्लासिकल वॉकल सोलो, क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो, हरियाणवी आर्केस्ट्रा व कव्वाली में यूटीडी की टीम दूसरे स्थान पर रही। क्लासिकल डांस में सीएमके महाविद्यालय की टीम पहले स्थान पर व एमएम कॉलेज फतेहाबाद की टीम दूसरे स्थान पर रही।

हरियाणवी ग्रुप डांस में सीएमके के टीन पहले स्थान पर व यूटीडी की टीम दूसरे स्थान पर रही। जरनल ग्रुप डांस हरियाणवी सोलो डांस पुरूष व महिला वर्ग में यूटीडी की टीप पहले स्थान पर रही। कोरियोग्राफी में एमएम कॉलेज फतेहाबाद की टीम पहले स्थान पर रही। स्किट में यूटीडी की टीम पहले स्थान पर व जेसीडी की टीम दूसरे स्थान पर रही। माईम व संस्कृत ड्रामा में एमएम कॉलेज फतेहाबाद की टीम पहले स्थान पर रही।

“युवा महोत्सव 2017 के दौरान साहित्यिक एवं ललित कला कार्यशाला में प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से दक्ष किया गया। देश की जानी मानी हस्तियों ने इनके साथ अपने अनुभव सांझे किए और युवा शक्ति के कौशल को विकसित किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के बीए के छात्र सोमेश व संदीप के कैमरे ने इन यादगार लम्हों को कैद किया।”

युवा महोत्सव के दौरान विवि के जनसंपर्क निदेशालय द्वारा लगाया गया न्यूज बुलेटिन का पट आकर्षण का केन्द्र रहा। इस पट पर रोजाना महोत्सव से संबंधित प्रकाशित होने वाले समाचारों को चस्पाया गया। जनसंपर्क निदेशक प्रो. दिलबाग सिंह ने बताया कि विवि के कुलपति प्रो. विजय कायत के निर्देश पर यह अनूठी पहलकदमी निदेशालय द्वारा की गई।

संपादकीय

उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में शोध का विशेष महत्व

शिक्षा के बगैर समृद्धि के महल की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उच्चतर शिक्षा के मामले में भारत के अंदर नित नए परिवर्तन हो रहे हैं। शिक्षाविदों व योजनाकारों द्वारा इस संबंध में अनेक योजनाएं तैयार करके केन्द्र व राज्य सरकारों को ब्लू प्रिंट के रूप में प्रदान की जाती हैं। इन योजनाओं के लिए अनेक प्रकार के शोध विश्वविद्यालयों के अंदर हो रहे हैं। विश्वविद्यालय की पहचान वहां पर चल रही शोध गतिविधियों से होती है।

उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में व्यवहारिक व परम्परागत शिक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत की मांग को पूरा करने के लिए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करना भी समय की मांग है। दिल्ली से सटे हुए हरियाणा प्रदेश में उच्चतर शिक्षा के अनेक संस्थान हैं। इन सभी शैक्षणिक संस्थानों का मुख्य उद्देश्य यहां के युवाओं को उच्चकोटि की गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करना है। शिक्षा के माध्यम से ही युवा शक्ति को सही दिशा प्रदान की जा सकती है।

भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल के नाम से सिरसा क्षेत्र में भी वर्ष 2003 में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा की स्थापना इस क्षेत्र की युवा पीढ़ी को सशक्त करने के उद्देश्य से की गई। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि भोगौलिक दृष्टि से पंजाब व राजस्थान की सीमा से सटे हुए हरियाणा के इस क्षेत्र में विश्वविद्यालय खुलने से न केवल इन तीन राज्यों के विद्यार्थियों को लाभ हुआ है बल्कि देशभर के विद्यार्थी यहां पर शिक्षा व दीक्षा ग्रहण करने का कार्य कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के अंदर विज्ञान व कला संकाय के 22 विभाग हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के क्षेत्रीय केन्द्र से विश्वविद्यालय का रूप धारण करने वाले चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा ने अल्प समय में देश भर में अपनी विशेष पहचान कायम की है। वर्तमान में सिरसा व फतेहाबाद जिले के सभी महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से संबंद्धित हैं।

विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के पाठ्यक्रमों की प्रयोगशालाएं राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के उपकरणों से लैस हैं। यहां के विद्यार्थियों को तराशने के लिए विश्वविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापक बड़ी मेहनत व लग्न के साथ किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से समय-समय पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों की श्रृंखला का आयोजन विभिन्न विभागों द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त सैमीनार, कार्यशाला व गोष्ठियों के माध्यम से राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बुद्धिजीवी नवीन ज्ञान का सृजन करते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा महोत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों के अंदर सृजनात्मक कौशल को विकसित करने का प्रयास विभिन्न साहित्यकारों, फोटोग्राफरों, भाषा विशेषज्ञों व कला प्रेमियों द्वारा बड़े ही बखूबी ढंग से किया गया। गत एक वर्ष से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में गुणवत्तापरक वृद्धि देखने को मिली है। इसका श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कायत जी को जाता है। शिक्षाविद् होने के नाते कुलपति महोदय बखूबी जानते हैं कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में तकनीक का विशेष महत्व है। इसी वजह से विश्वविद्यालय को डिजिटल इंडिया के प्लेटफॉर्म पर ले जाने का भरसक प्रयास कुलपति महोदय द्वारा किया जा रहा है।

यहां के विद्यार्थियों के पढ़ने के लिए वातानुकुलित रीडिंग हॉल चौबिसों घंटे खुला रहता है और स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय में 70,000 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। इतना ही नहीं विद्यार्थी जीवन में पुस्तकों के विशेष महत्व को समझते हुए वर्तमान वर्ष में दो बार पुस्तक मेला विश्वविद्यालय के अंदर लगाया गया, जिसमें देश के नामी गिरामी प्रकाशकों ने अपनी पुस्तकों के स्टाल लगाए। विश्वविद्यालय में इन्फलिबनेट की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से शोधार्थी व प्राध्यापकगण भारत तथा विदेशों में हो रहे विभिन्न शोध कार्यों को एसैस कर सकते हैं और अपने शोध कार्य को गुणवत्तापरक बना सकते हैं। शोधगंगा जैसी महत्वकांक्षी योजना का भी विश्वविद्यालय हिस्सा है। कुलपति महोदय के कुशल व औजस्वी नेतृत्व में विश्वविद्यालय प्रगति के नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाया गया था, जिसके अंदर विश्वविद्यालय में अच्छा कार्य करने वाले विभागों, प्रोफेसरों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया था। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने केवल शोध एवं पढ़ाई के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। हाल ही में पंजाब युनिवर्सिटी चंडीगढ़ में आयोजित रोलर स्केटिंग व लाइनर स्केटिंग हॉकी की अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता में यहां की महिला खिलाड़ियों ने स्वर्णपदक जीतकर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया। *- मेरी कलम से*

साहित्य व ललित कलाओं का अनन्य संबंध

रजनी रानी

सम्भवतः ललित कलाएं ही सुप्त पड़े हुए मानस में जीवन रस भरने का कार्य करती हैं। इन कलाओं से जुड़कर किसी भी पुरूष-स्त्री, विद्यार्थी, बालक का मानसिक विकास सही रूप में होता है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में होने वाली प्रत्येक बात से उसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सरोकार होता है। साहित्य व ललित कलाओं का अनन्य संबंध होता है। साहित्य केवल पढ़ने की ही सामग्री नहीं अपितु जीवन जीने की कला सिखाने की क्षमता व प्रेरणा साहित्य में निहित होती है। साहित्य का संबंध जीवन से होने के कारण जीवन की सभी कलाओं से भी है जिसमें सभी ललित कलाएं जैसे चित्रकारी, मिट्टी के बर्तन बनाने की कला, कढ़ाई बुनाई, कढ़ाई सिलाई रंगोली मेहंदी, गायन, नृत्य विभिन्न वाद्य यंत्रों को बजाना आदि शामिल है। ये सभी प्रकार की ललित कलाएं भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं और संस्कृति साहित्य से अछूति नहीं हो सकती।

वस्तुत साहित्य हमें हमारे जीवन से परिचित करवाता है। साहित्य के माध्यम से जीवन को निकटता से समझा जा सकता है। प्राचीन काल में हम क्या थे? हमारा समाज कैसा था? हमारे पूर्वज कैसा जीवन व्यतीत करते थे? उनकी समृद्धि के कारण क्या थे? संस्कृति क्या थी? व ललित कलाओं का संस्कृति से किस प्रकार संबंध था? ये जानने का माध्यम साहित्य पढ़ने से बेहतर कोई हो ही नहीं सकता। साहित्य के माध्यम से ही हम हमारे समकालीन समाजों व उनके परिवेश को भी जान पाते हैं।

ललित कलाओं के माध्यम से मनुष्य का व मनुष्य समाज का बहुमुखी विकास होता है। ये कलाएं मनुष्य को सृजनशील बनाती हैं तथा मानव सभ्यता आगे बढ़ती है, समाज का विकास होता है। सम्भवत: ललित कलाएं ही सुप्त पड़े हुए मानस में जीवन रस भरने का कार्य करती हैं। इन कलाओं से जुड़कर किसी भी पुरूष-स्त्री, विद्यार्थी, बालक का मानसिक विकास सही रूप में होता है, उसका व्यक्तित्व मुखर होता है व जीवन से उसका जुड़ाव हो पाता है अन्यथा मनुष्य जीवन रस विहीन व अधूरा ही रहता है। अन्तत: ललित कलाएं व साहित्य समाज की अनमोल धरोहर हैं।

'मानव की मूलभूत आवश्यकता संचार'

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह जन्म से लेकर मृत्यु तक समाज में रहता है। रोटी, कपड़ा और मकान की तरह संचार भी मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। ये कहना है गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार के संचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विक्रम कौशिक का। उन्होंने कहा कि संचार का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। शिक्षण संस्थानों को विद्यार्थियों के संचार कौशल को विकसित करने के लिए समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन करवाना चाहिए। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय साहित्यिक एवं ललित कला कार्यशाला के अंदर भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी बधाई के पात्र हैं।

एक चित्र हजार शब्दों के बराबर

सिरसा (सिमरन)। फोटोग्राफी के क्षेत्र में रोजगार की आपार संभावनाएं हैं। एक चित्र हजार शब्दों के बराबर होता है। छायाकार का एक अलग से व्यक्तित्व होता है और वह समाज की प्रत्येक नवज को भांप कर अपनी छायाकारी की प्रतिभा का प्रदर्शन करता है।

ये कहना था युवा महोत्सव के दौरान ऐलनाबाद के मूलनिवासी यशपाल मेहता का जो कि पिछले 28 वर्षों से फोटोग्राफी का कार्य कर रहे हैं और वर्तमान डीएवी कॉलेज यमुनानगर में बतौर प्राध्यापक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। कार्यशाला के दौरान उन्होंने प्रतिभागियों को फोटोग्राफी विभिन्न व्यवहारिक पक्षों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि समाचार पत्रों व मैग्जिन्स में अच्छे फोटोग्राफरों की निरंतर कमी है। छायाकार को पाठक की नवज को पहचानकर अपना कार्य करना चाहिए। फोटो अपने आप बोलता है और एक अच्छे फोटो को कैप्शन की कोई आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के कैमराज व कैमरा एंग्लों एवं उनके महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान दी।

उल्लेखनीय है कि यशपाल मेहता जी हरियाणा एनसाईकलो पीडिया के लिए फोटोग्राफी कर चुके हैं और हरियाणा के पूर्व (तत्कालीन) राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया जी से सम्मानित हो चुके हैं और अनेक युवा महोत्सवों में निर्णायक मंडल की भूमिका निभा चुके हैं।

सिर्फ अंधेरों को कोसने से कुछ नहीं होगा...

सिरसा (नवदीप)। सिर्फ अंधेरों को कोसने से कुछ नहीं होगा, अपने हिस्से का दिया खुद जलाना होगा। यह कहना आचार्य महावीर प्रसाद जी का, जो चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव में बतौर रिसोर्स प्रसन प्रतिभागियों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा विभिन्न भाषाओं की जननी है और विश्व की अनेक भाषाओं की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार में इस भाषा का विशेष योगदान है। हरियाणा प्रदेश में भी संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रदेश के प्रत्येक विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कायत को शैक्षणिक सत्र 2017-18 के दौरान विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग स्थापित करने की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में इस विभाग के स्थापित होने से इस क्षेत्र में संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार तो होगा ही साथ ही साथ रोजगार के नये अवसर भी युवा पीढ़ी के लिए सृजित होंगे।

उनके साथ आए हुए आचार्य हनुमान प्रसाद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संयमित एवं अनुशासित जीवन ही सफलता की सर्वोत्तम कुंजी है। अगर हमें किसी भी उपलिब्ध को प्राप्त करना है तो अनुशासित एवं संयमित जीवन जीने का नियम अपनाना होगा। संसार से जितने भी प्राचीन महापुरूष हुए हैं सबने अपने संयमित एवं अनुशासित जीवन के कारण ही सब प्रकार की सिद्धियां प्राप्त की हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने से टीम में कार्य करने व प्रबंधकीय दक्षता विकसित होती है। विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों का आदान-प्रदान भी होता है।

किताबें व्यक्ति की सच्ची मित्र

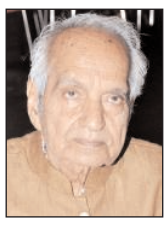

युवा अपने आप को व्यस्त रखें और कभी भी खाली न रखें। अपने विषय के अलावा कुछ समय अन्य किताबों को भी जरूर पढ़े।

यह कहना था साहित्यकार पूर्ण मुद्गल का। साहित्यिक कार्यशाला में अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने कहा कि जब भी आप अकेले होते हैं आप तनाव के शिकार हो सकते हैं। इनसे बचने के लिए अन्य गतिविधियों में भाग लें। ये गतिविधियाँ सामाजिक या तात्कालिक विषयों पर भी हो सकती हैं।

चेतना का विकास इन गतिविधियों से ही होता है। युवाओं का समाज से जुड़ना अति आवश्यक है। किसी जाति या धर्म की बजाए हमें धर्मनिरपेक्ष सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। दुनिया की हर संस्कृति का समाज निर्माण में अहम योगदान है। इसे हमेशा स्मरण में रखें।

इंसान होने के नाते आप के दृष्टिकोण वैज्ञानिक व तर्कपूर्ण होने चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा अवस्था कुछ भी महत्वपूर्ण कार्य करने का श्रेष्ठ काल है कुछ भी से अभिप्राय: है आत्मविकास तथा समाजोत्थान!

List of Colleges who Participated in University Youth Festival-2017

CMG Govt. College for Women, Bhodia Khera
Shah Satnam Ji P.G. Boy's College, Sirsa
JCD Institute of Business Management, Sirsa
M.M. College of Education, Fatehabad
Govt. College, Bhuna (Fatehabad)
Govt. College for Women, Sirsa
Lala Hans Raj Phutela College of Law, Sirsa
Govt. National College, Sirsa
Sri Guru Hari Singh College, Jiwan Nagar
MP College for Women, Dabwali
JCD Memorial college of engineering, Sirsa
Dr. B.R. Ambedkar Govt. College, Dabwali
M.M. P.G. College, Fatehabad
Jan Nayak Ch. Devi Lal (PG) College of Education, Sirsa.
C.R.D.A.V. Degree College, Ellenabad
Mata Harki Devi College for Women, Odhan
National College of Education, Sirsa
Shah Satnam Ji College of Education, Sirsa
Ch. Devi Lal Memorial Lal State Institute of Engineering & Technology, Paniwala
Govt. College, Bhattu Kalan
UniversityTeaching Department
Mata Harki Devi College of Education for Women, Odhan
Bhagwan Sh. Krishan College of Education for women, M. Dabwali
Janta Girls' P.G. College, Ellenabad
Govt. College for Women, Ratia
C.M.K. National P.G Girls College, Sirsa
Ch. Mani Ram Jhorar Govt. College, Ellenabad
SBDS College of Education, Fatehbad.
JanNayank Ch. Devi Lal Memorial (PG) College, Sirsa
K.T. Govt. College, Ratia, Fatehabad

साहित्यिक एवं ललित कला प्रतियोगिताओं की

ओवर ऑल ट्राफी जेसीडी पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के नाम

सिरसा (सज्जन व नवदीप)। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के युवा कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित युवा महोत्सव का भव्य समापन हुआ। तीन दिन से चल रही ललित कला एवं साहित्यक की विभिन्न प्रतियोगिताओं के पारितोषिक वितरण समारोह में हरियाणा के पूर्व मंत्री प्रो. गणेशीलाल ने बतौर मुख्यअतिथि शिरकत की। इन प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे:-

साहित्यिक एवं ललित कला प्रतियोगिताओं की ऑवर ऑल ट्राफी जननायक चौधरी देवीलाल पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा को गई। भाषण प्रतियोगिता में पन्नीवाला इंजीनियरिंग कॉलेज पहले स्थान पर और सीएमके गर्ल्स कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा। प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में गवर्नमेंट नेशनल कॉलेज पहले स्थान पर व गवर्नमेंट नेशनल कॉलेज भट्टू दूसरे स्थान पर रहा। संस्कृत भाषण में जननायक चौधरी देवीलाल पीजी कॉलेज, सिरसा पहले स्थान पर और नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन सिरसा दूसरे स्थान पर रहा। काव्य पाठ प्रतियोगिता में श्री गुरू हरिसिंह कॉलेज जीवन नगर पहले स्थान पर, सीएमके नेशनल गर्ल्ज पीजी कॉलेज सिरसा दूसरे स्थान पर रहा। श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट पहले स्थान पर और एमएमपीजी कॉलेज फतेहाबाद दूसरे स्थान पर रहा। कोलार्ज प्रतियोगिता में यूटीडी पहले स्थान पर, माता हरकी देवी कॉलेज ऑफ एजुकेशन ओढां दूसरे स्थान पर रहा। रंगोली प्रतियोगिता में जननायक चौधरी देवीलाल कॉलेज सिरसा की टीम पहले स्थान पर और इसी संस्थान की एजुकेशन कॉलेज की टीम दूसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार ऑन दा स्पाट पेंटिग प्रतियोगिता में गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन सिरसा की टीम पहले स्थान पर व जेसीडी इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट की टीम दूसरे स्थान पर रही। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में पन्नीवाला इंजीनियरिंग की टीम पहले स्थान पर व सीएएमजी गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन भोड़िया खेड़ा की टीम दूसरे स्थान पर रही। कार्टून प्रतियोगिता में यूटीडी पहले स्थान पर, जननायक चौधरी देवीलाल कॉलेज सिरसा दूसरे स्थान पर रहा। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में डॉ. बीआर अम्बेडकर पहले स्थान पर, जननायक चौधरी देवीलाल कॉलेज सिरसा दूसरे स्थान पर रहा। ऑन दा स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता में जननायक चौधरी देवीलाल कॉलेज सिरसा पहले स्थान पर और जेसीडी मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग दूसरे स्थान पर रहा। ऑन दा स्पाट विडियोग्राफी प्रतियोगिता में माता हरकी देवी कॉलेज फॉर वूमेन ओढां पहले स्थान पर और जेसीडी मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग दूसरे स्थान पर रहा।

पॉवर प्वाईंट प्रजेंटेशन में लाला हंसराज फुटेला कॉलेज ऑफ लॉ पहले स्थान पर और जेसीडी मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग व सीएमके नेशनल गर्ल्स कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा।

श्लोक उच्चारण में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट पहले स्थान पर

कैम्पस टाइम्स का हुआ विमोचन

सिरसा (कृष्ण कुमार)। हरियाणा पर्यटन निगम के चेयरमैन श्री जगदीश चौपड़ा व चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कायत ने युवा महोत्सव के पारितोषिक वितरण समारोह के दौरान पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों द्वारा युवा महोत्सव से संबंधित कैम्पस टाइम्स न्यूज बुलेटिन के ऑनलाईन संस्करण का विमोचन किया। श्री चोपड़ा ने कहा कि ऑनलाईन पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अत्यंत हर्ष हो रहा है कि पत्रकारिता विभाग के छात्र इस महोत्सव में रिपोर्टिंग के माध्यम से व्यवहारिक दक्षता ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि वे स्वयं भी सीडीएलयू के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय से पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिग्रीधारक हैं। वहीं कुलपति प्रो. विजय कायत ने पत्रकारिता विभाग की अध्यक्षा, प्राध्यापकों एवं बच्चों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी के युग में विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों से अपडेट रहना चाहिए। इस बुलेटिन के सम्पादक डॉ. अमित सांगवान ने बताया कि चार पृष्ठ के इस बुलेटिन का मुख्य उद्देय पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों को रिर्पोटिंग व प्रिंटिंग विधा में व्यवहारिक दक्षता प्रदान करना था। प्रकाशन के पीछे कोई भी व्यवसायिक उद्देश्य नहीं है। इस बुलेटिन के दूसरे अंक का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कायत के कर-कमलों से किया जाएगा। प्राध्यापक डॉ. सेवा सिंह बाजवा इस बुलेटिन के मुख्य संपादक हैं और डॉ. रविन्द्र सहसंपादक हैं।विभाग के विद्यार्थियों ने इस बुलेटिन के लिए बतौर रिपोर्टर कार्य किया। जेएमसी विभाग की अध्यक्षा प्रो. दीप्ति धर्माणी, जनसंपर्क निदेशक प्रो. दिलबाग सिंह, युवा कल्याण निदेशक डॉ. मोहम्मद काशिफ किदवई, मुद्रण समिति संयोजक डॉ. सुरेन्द्र कुमार कुण्डू बुलेटिन के परामर्श मण्डल में शामिल हैं।

> ***वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी के युग में विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकों से अपडेट रहना चाहिए: प्रो. विजय कायत***

सीडीएलयू में लगा साहित्यिक मेला

सिरसा (विकास सहारण)। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के प्रांगण में युवा महोत्सव में साहित्यिक एवं कला कार्यक्रम का मुख्य थीम 'स्वर्णिम हरियाणा' रहा। इस युवा महोत्सव में कला एवं साहित्य में रूचि रखने वाले विभिन्न विद्वानों ने भाग लिया। यूटीडी समेत विश्वविद्यालय से संबंधित 29 महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। युवा महोत्सव में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में पोस्टर मेकिंग, पेटिंग, रंगोली, कविता पाठ, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन सभी विषयों पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शक के रूप में विशेषज्ञों द्वारा निर्देश भी दिए गये हैं। युवा महोत्सव में चित्रकार शंकर शर्मा ने विद्यार्थियों को रंगोली एवं चित्रकारी के बारिकियों के विषय में बताया, वहीं क्ले मॉडलिंग के गुर सिखाए। काबिले गौर है कि शंकर शर्मा जी राष्ट्रपति से सम्मानित भी हो चुके हैं।

> ***''कार्यशाला में अनेक साहित्यकारों, चित्रकारों व भाषाविदों ने प्रतिभागियों को किया दक्ष''***

शंकर जी को 150 संस्थाओं द्वारा चित्रकारी के लिए सम्मानित किया जा चुका है। आज विद्यार्थियों ने रंगोली के अलग-अलग डिजाईन बना कर दर्शकों को मोहित किया। साथ ही विश्वविद्यालय के सभागार में एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पूर्णत: डिजिटन तकनीक का उपयोग किया गया, जिसमें चित्र, आडियो व वीडियो तथा शब्द के माध्यम से विद्यार्थियों से प्रश्न किये गए। इस क्विज में कुल 10 टीमों ने भाग लिया।

सृजनशील बनें विद्यार्थी

साहित्यिक एवं ललित कलाओं का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये कलाएं दिखने में तो फीकी लगती हैं, लेकिन इनके माध्यम से विद्यार्थियों में सृजनशिलता विकसित होती है जो कि ताउम्र उनके काम आती है। ये कहना है विश्वविद्यालय के युवा कल्याण निदेशक डॉ. कासिफ किदवई का। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला एवं युवा महोत्सव को सफल बनाने के लिए मैं सभी समितियों के संयोजकों व सदस्यों का तहदिल से धन्यवाद करता हूं।

कैम्पस टाइम्स टीम

उप-संपादक: श्रीमती रजनी रानी, श्री राममेहर आर्य, डॉ. कृष्ण, श्री विकास, डॉ. टिम्सी मेहता।
स्टूडेंट रिपोर्टर: नवदीप, ज्योति, सिमरन, पूजा, बिमला, सोमेश, संदीप, पवन, सज्जन व अनुपमा।

युवाओं पर अमिट छाप छोड़कर सम्पन्न हुआ महोत्सव

साहित्य एवं ललित कला से जुड़े लेखक एवं चित्रकारों के विचारों से लाभान्वित हुए छात्र

सिरसा (टिमसी मेहता)। चौधरी देवीलाल युनिवर्सिटी में चल रहे युवा महोत्सव का भव्य समापन हुआ। इस महोत्सव में साहित्य एवं ललित कला से जुड़े अनेक लेखक एवं चित्रकारों के विचारों से विद्यार्थियों को रूबरू होने का अवसर मिला। ये महोत्सव विद्यार्थियों पर अमिट छाप छोड़ कर सम्पन्न हुआ। साहित्य एवं ललित कला से जुड़े इस सत्र में नव साहित्यक विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं लुप्त होती जा रही कलाओं के प्रति विद्यार्थियों को प्रेरित भी किया। महोत्सव के समापन पर विभिन्न विधाओं में प्रतिभागियों को पारितोषिक वितरण किये गए। ऐसे समारोह विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न करता है वहीं उनके व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास में भी पूर्ण योगदान देते हैं।

चौधरी देवीलाल युनिवर्सिटी के बहुउद्देश्यीय हॉल में आयोजित किए गए इस युवा महोत्सव के अन्तर्गत ललित कला की विभिन्न कार्यशालाएं लगाई गई, जिनमें छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के कोलाज एवं पोस्टर बनाने का प्रशिक्षण फाईन आर्ट्स के प्रो. बलजीत सिंह के द्वारा दिया गया।

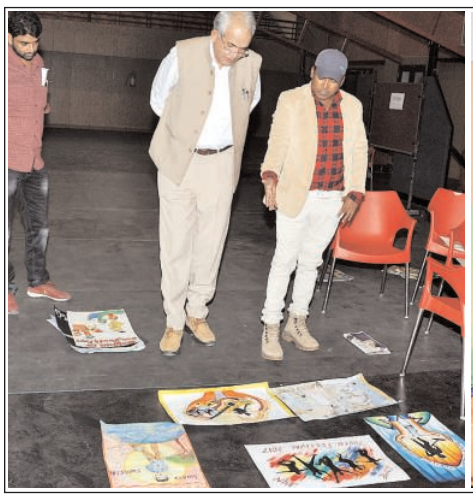

फाइन आर्ट्स में रोजगार की अपार संभावनाएं: प्रो. बलजीत

फाइन आर्ट्स के माध्यम से जीवन के विभिन्न रंगों को बेहतरीन तरीके से कलाकारों द्वारा दर्शाया जा सकता है। इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। रंगबिरंगे कागचों के छोटे-छोटे टुकड़ों को जोड़कर तैयार किए गए सजीव कोलाज एवं सामाजिक संदेशों से ओत-प्रोत पोस्टर बनाना सिखाते हुए प्रो. बलजीत सिंह ने इस कला की बारीकियां अत्याधिक रोचक ढंग से छात्रों के समक्ष प्रस्तुत की। कॉलेजों से आए छात्रों ने कार्यशाला के दौरान कल्पना एवं रचनात्मकता के नए आयामों का परियच प्राप्त किया। प्रो. सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं के साथ अनुपयोगी वस्तुओं से सुन्दर कोलाज बनाने के गुर भी बांटे एवं भिन्न-भिन्न शैलियों से रंग भरने की तकनीक भी सिखाई। अनुशासन का परिचय देते हुए सभी छात्रों ने पूर्ण मनोयोग से कार्यशाला में भाग लिया।

विशेष नोट: यह प्रकाशन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रिर्पोटिंग व प्रिंटिंग विद्या में व्यावहारिक दक्षता प्रदान करने के लिए किया गया है। प्रकाशन के पीछे कोई भी व्यवसायिक उद्देश्य नहीं है।